



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	1-10-26	11	4-5

फसलों के परागण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं मधुमक्खियां : प्रो. काम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), हरियाणा तथा कीट विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मधुमक्खी पालकों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में प्रदेशभर से आए मधुमक्खी पालकों, किसानों, वैज्ञानिकों तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक डॉ. कुलदीप वर्मा व सहायक निदेशक हितेंद्र सिंह हुड्डा भी मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि मधुमक्खी पालन किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कृषि विविधीकरण का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। मधुमक्खियां केवल शहद उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि फसलों के परागण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनके प्रभावी परागण से फसलों की पैदावार और गुणवत्ता में सुधार होता है। उन्होंने बताया कि भारत विश्व के प्रमुख शहद निर्यातक देशों में शामिल है और वर्ष 2024-25 के दौरान देश में 1.52 लाख मीट्रिक टन शहद का उत्पादन हुआ।



हिसार : कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

फोटो : हरिभूमि



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-10-26	3	8

**एचएयू में सम्मेलन: मधुमक्खी पालन से
आय और परागण बढ़ाने पर दिया जोर**

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, हरियाणा और कीट विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मधुमक्खी पालकों का सम्मेलन आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि मधुमक्खी पालन किसानों की आय बढ़ाने के साथ कृषि विविधीकरण का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि मधुमक्खियां शहद तक सीमित नहीं, फसलों के परागण से पैदावार और गुणवत्ता बढ़ाती हैं। उन्होंने वैज्ञानिक तकनीक, कॉलोनी प्रबंधन और शहद व अन्य उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर जोर दिया। केवीआईसी निदेशक डॉ. कुलदीप वर्मा ने आधुनिक तकनीक और परागण के महत्व की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब कृषि	1-10-26	4	7-8

हकृति में मधुमक्खी पालकों का सम्मेलन आयोजित

हिसार, 30 सितम्बर (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग हरियाणा तथा कीट विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मधुमक्खी पालकों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में प्रदेशभर से आए मधुमक्खी पालकों, किसानों, वैज्ञानिकों तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक डॉ. कुलदीप वर्मा व सहायक निदेशक हितेंद्र सिंह हुड्डा भी मौजूद रहे। डॉ. कुलदीप वर्मा ने मधुमक्खी पालन की आधुनिक तकनीकों, कॉलोनी प्रबंधन, शहद उत्पादन तथा फसलों में परागण के महत्व की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिन 5 भादक 2	1-10-26	3	1

**एचएयू में अक्टूबर-दिसंबर में निःशुल्क
प्रशिक्षण कार्यक्रम, 3 तक आवेदन**

हिसार | एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अक्टूबर से दिसंबर 2026 के बीच लघु अवधि के कई निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होंगे। सह-निदेशक (प्रशिक्षण) अशोक कुमार गोदारा के अनुसार इनमें संरक्षित खेती व पॉली हाउस में सब्जी उत्पादन, कटाई व सिलाई, केंचुआ खाद निर्माण, सोयाबीन से सोया दूध तैयार करना और कृषि में ड्रोन की उपयोगिता व देखरेख जैसे विषय शामिल हैं। इसके साथ डेयरी फार्मिंग, मधुमक्खी पालन और मशरूम उत्पादन तकनीक पर भी प्रशिक्षण रखे गए हैं। कार्यक्रम सभी वर्गों और आयु के महिला-पुरुषों के लिए खुले हैं। 3 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण अवधि सफलतापूर्वक पूरी करने पर प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि मित्र	1-10-26	9	1

हृषि में दिसंबर तक होंगे प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अक्टूबर से दिसंबर तक विभिन्न लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रदेश के किसी भी वर्ग और आयु के इच्छुक महिला एवं पुरुष भाग ले सकेंगे। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदरा ने बताया कि इस अवधि में संरक्षित खेती एवं पॉली हाउस में सब्जी उत्पादन के दो, कटाई एवं सिलाई का एक, केंचुआ खाद उत्पादन का एक, सोयाबीन से सोया दूध तैयार करने का एक तथा कृषि में ड्रोन की उपयोगिता एवं उसकी देखरेख से संबंधित एक प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा डेयरी फार्मिंग का एक, मधुमक्खी पालन के दो तथा मशरूम उत्पादन तकनीक के तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी होंगे। उन्होंने बताया कि सभी प्रशिक्षण पूर्णतः निशुल्क होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	1-10-26	3	1

एचएयू में प्रशिक्षण के लिए आवेदन 3 तक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अक्टूबर से दिसंबर तक निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होंगे। इच्छुक प्रतिभागी 3 अक्टूबर को शाम 4:30 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। संस्थान के सहनिदेशक (प्रशिक्षण) अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि संरक्षित खेती व पॉलीहाउस में सब्जी उत्पादन, कटाई-सिलाई, केंचुआ खाद, सोया दूध, कृषि में ड्रोन की उपयोगिता व देखरेख, डेयरी फार्मिंग, मधुमक्खी पालन और मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण होंगे। ब्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	1-10-26	7	6

हकूति में अक्टूबर से दिसम्बर तक होंगे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिसार, 30 सितम्बर (विरेद वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अक्टूबर से दिसम्बर 2026 तक लघु अवधि के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संरक्षित खेती/पॉली हाउस में सब्जी उत्पादन के दो प्रशिक्षण, कटाई एवं सिलाई का एक प्रशिक्षण, केंचुआ खाद उत्पादन का एक प्रशिक्षण, सोयाबीन से सोया दूध तैयार करने का एक प्रशिक्षण तथा कृषि में ड्रोन की उपयोगिता एवं उसकी देखरेख का एक प्रशिक्षण शामिल है। इसके अतिरिक्त डेयरी फार्मिंग का एक, मधुमक्खी पालन के दो तथा मशरूम उत्पादन तकनीक के तीन प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रदेश के किसी भी वर्ग एवं आयु के इच्छुक महिला एवं पुरुष भाग ले सकते हैं। सभी प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क होंगे। प्रशिक्षण की पूरी अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों की विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 3 अक्टूबर 2026 को शाम 4:30 बजे तक संस्थान में आवेदन फार्म जमा करवा सकते हैं। प्रशिक्षण का समय सुबह 9:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक रहेगा। प्रशिक्षण में प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। आवेदन फार्म के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो तथा आधार कार्ड की फोटो कॉपी संलग्न करना अनिवार्य है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	1-10-26	3	1

हकूवि में दिसंबर तक होंगे
प्रशिक्षण कार्यक्रम
हिसार • विज्ञप्ति : हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल
कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा
संस्थान में अक्टूबर से दिसंबर 2026
तक लघु अवधि के प्रशिक्षण
आयोजित किए जाएंगे। सह-
निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक
गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण में
संरक्षित खेती/पाली हाउस में सब्जी
उत्पादन के दो प्रशिक्षण, कटाई आदि
का प्रशिक्षण मिलेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-10-26		

**एचएयू में कृषि मेले का
उद्घाटन आज, सीएम आएंगे**

एचएयू वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि कृषि मेला दंतोपत ठेगड़ी कृषि उद्यमिता स्थल, गेट नंबर 3 बालसमंद रोड पर आयोजित किया जाएगा। कृषि और उससे संबंधित विभिन्न व्यवसायों व अन्य उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदेश के 45 प्रतिशत किसानों का चयन किया

गया है, इनमें 15 महिलाएं शामिल हैं, जिन्हें कृषि मेले में सम्मानित किया जाएगा। मेले का उद्घाटन सीएम नायब सैनी करेंगे। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, पीडब्ल्यूडी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, विधायक रणधीर पणिहार भी भाग लेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	01.10.26	-----	-----

हकूवि में अक्टूबर से दिसंबर तक होंगे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

इच्छुक प्रतिभागी 3 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

-पाठकपक्ष न्यूज- हिसार, 1 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अक्टूबर से दिसंबर 2026 तक लघु अवधि के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संरक्षित खेती/पॉली हाउस में सब्जी उत्पादन के दो प्रशिक्षण, कटाई एवं सिलाई का एक प्रशिक्षण, केंचुआ खाद उत्पादन का एक प्रशिक्षण, सोयाबीन से सोया दूध तैयार करने का एक प्रशिक्षण तथा कृषि में ड्रोन की उपयोगिता एवं उसकी देखरेख का एक प्रशिक्षण शामिल है। इसके अतिरिक्त डेयरी फार्मिंग का एक, मधुमक्खी पालन के दो तथा मशरूम उत्पादन तकनीक के तीन प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रदेश के किसी भी वर्ग एवं आयु के इच्छुक महिला एवं पुरुष भाग ले सकते हैं। सभी प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क होंगे। प्रशिक्षण की पूरी अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 3 अक्टूबर 2026 को शाम 4:30 बजे तक संस्थान में आवेदन फार्म जमा करवा सकते हैं। प्रशिक्षण का समय सुबह 9:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक रहेगा। प्रशिक्षण में प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। आवेदन फार्म के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो तथा आधार कार्ड की फोटो कॉपी संलग्न करना अनिवार्य है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	30.09.26	-----	-----

मधुमक्खी पालन किसानों की आय व फसल उत्पादन बढ़ाने में सहायक : प्रो. बलदेव राज काम्बोज



समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), हरियाणा तथा कौट विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मधुमक्खी पालकों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में प्रदेशभर से आए मधुमक्खी पालकों, किसानों, वैज्ञानिकों तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने सम्मेलन में बख्तीर मुख्य अतिथि शिफारस की। कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक डॉ. कुलदीप वर्मा व सहायक निदेशक हितेंद्र सिंह हुड्डा भी मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि मधुमक्खी पालन किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कृषि विविधीकरण का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। मधुमक्खियाँ केवल शहद उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि फसलों के परागण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनके प्रभावी परागण से फसलों की पैदावार और गुणवत्ता में सुधार होता है। उन्होंने बताया कि भारत विश्व के प्रमुख शहद निर्यातक देशों में शामिल है और वर्ष 2024-25 के दौरान देश में 1.52 लाख मीट्रिक टन शहद का उत्पादन हुआ। उन्होंने मधुमक्खी पालकों से वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने, मधुमक्खी कॉलोनिंग का उचित प्रबंधन करने तथा शहद एवं अन्य मधुमक्खी उत्पादों के बेहतर मूल्य संवर्धन पर ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों और मधुमक्खी पालकों को आधुनिक तकनीकों एवं वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक डॉ.

कुलदीप वर्मा ने मधुमक्खी पालन की आधुनिक तकनीकों, कॉलोनी प्रबंधन, शहद उत्पादन तथा फसलों में परागण के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने मधुमक्खी पालकों को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। सम्मेलन के दौरान मधुमक्खी पालकों ने अपने अनुभव साझा किए तथा मधुमक्खी पालन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान पर विशेषज्ञों के साथ चर्चा की। साथ ही, गुणवत्तापूर्ण शहद उत्पादन, मधुमक्खी पालन की अधिक लाभकारी एवं व्यावसायिक बनाने तथा किसानों को नवीनतम तकनीकों से जोड़ने पर विचार-विमर्श किया गया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन किसानों, मधुमक्खी पालकों और वैज्ञानिकों के बीच ज्ञान एवं अनुभव साझा करने का प्रभावी मंच प्रदान करते हैं। इससे मधुमक्खी पालन को स्वरोजगार और आय के बेहतर साधन के रूप में विकसित करने में मदद मिलती है। कौट विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव ने विभाग की गतिविधियों तथा मधुमक्खी पालन से संबंधित प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन की जानकारी दी। उन्होंने मधुमक्खी कॉलोनी के वैज्ञानिक प्रबंधन, रोग एवं कीट नियंत्रण तथा गुणवत्तापूर्ण शहद उत्पादन के लिए आवश्यक तकनीकों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के सहायक निदेशक हितेंद्र सिंह हुड्डा ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. रीना चौहान ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।